अतिक्रमण विरोधी अभियान के खिलाफ मज़दूरों की रैली

चर्चा में क्यों?

तिलाड़ी आंदोलन की 92वीं वर्षगाँठ मनाने के लिये **गांधी पार्क में एक बड़ी सार्वजनिक रैली आयोजित** की गई। इसमें दैनिक वेतन भोगी और सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल थे, जो नगर निकायों द्वारा शुरू की गई अतिक्रमण विरोधी गतिविधियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

मुख्य बिंदु:

- यह अभियान **रिस्पना नदी** के बाढ़ के मैदानों से अवैध संरचनाओं को हटाने के लिये **राष्ट्रीय हरित अधिकरण** के निर्देशों के अनुपालन में चलाया जा रहा है।
- नगर निगम आयुक्त द्वारा इस बात पर सहमति जिताए जाने के बावजूद कि निवास के प्रमाण के रूप में किसी भी **वैध पहचान-पत्र** का उपयोग किया जा सकता है, **मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (MDDA)** द्वारा दस्तावेज़ों को अस्वीकार कर दिया गया था।
- प्रदर्शनकारी ने इन अस्वीकृतियों को चुनौती देने और अपने परिवारों को बेदखल होने से बचाने के लिये दिये गए समय की कमी पर प्रकाश डाला।

तिलाड़ी आंदोलन

- 30 मई, 1930 को **टिहरी गढ़वाल राज्य की वन नीति के खिलाफ तिलाड़ी** में एक महत्त्वपूर्ण सत्याग्रह हुआ, जो उत्तराखंड के बाकी हिस्सों में अंग्रेज़ों द्वारा लागू की गई नीतियों से मिलता-जुलता था।
- जब टिहरी के महाराजा यूरोप में थे, तब उनके प्रधानमंत्री **चक्रधर जुयाल ने जलियाँवाला बाग** त्रासदी की याद दिलाते हुए **तिलाड़ी आंदोलन** को क्रूरता से दबा दिया था।
- सैनिकों ने बच्चों सहित निहत्थे लोगों को गोलियों से भून दिया और भागने की कोशिश करते हुए कई लोग यमुना नदी में डूबकर मर गए।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/workers-rally-against-anti-encroachment-drives